गुलाबों की बस्ती

Scanned with CamScanner

गुलाबों की बस्ती

शेरजंग गर्ग

Scanned with CamScanner

मूल्य 6.00

प्रकाशक: पुस्तकायन (सुबोध पॉकेट बुक्स का उपक्रम)
2/4240ए अंसारी रोड, नई दिल्ली 110002,
संस्करण: 1988 चित्रकार:इलहाम
मुद्रक: गायत्री ऑफसेट प्रेस,नौएडा

GULABON KI BASTI (Poems for children) :
Dr. Sher Jung Garg

Scanned with CamScanner

कविता-क्रम

गुड़िया	७	छोटे भैया	१७
चिड़िया	७	नये साल का गीत	१८
लट्टू	८	नये उजाले ज़िन्दाबाद	१९
तितली	८	भैंस	२१
दादी अम्मा	९	आप पूछते	२२
हाथी	९	कबूतर	२३
चूहा-बिल्ली	१०	ईंट	२४
मुर्गे का रथ	१०	गुलदस्ता	२५
गिन गिन गिन	११	कर लो नाम	२६
बुद्धू नहीं रहा बन्दर	१२	खेल-खेल में आफ़त आई	२७
छतरी	१३	मेहनत के चित्र	२९
नक्शा	१४	सांप-नेवला दोनों बोले	३१
आसमान के रंग	१५	भालू की लीडरी	३३
तिरंगा	१६	फूलों की तरह हंसे	३५
		खिड़की	३६

ईश-विनय

हम हैं छोटे-छोटे बालक। भगवन्! आप जगत्के पालक॥
करें आपकी कैसे विनती। सीख रहें हैं अक्षर गिनती॥
इतना ही है हमको आता। पिता आप ही आप सु-माता॥
ज्ञान और बल हमको देना। दोष बुराई सब हर लेना॥
हम सब मिलकर सीस नवाते। अपनी कक्षामें हैं जाते॥

Scanned with CamScanner

अपनी बात

बच्चों के लिए लिखना, गाना-गुनगुनाना स्वयं कितना आनन्द-दायक है, इसका अनुभव मुझे 'सुमन बाल गीत' की रचना के समय हुआ। पुस्तक प्रकाशित होने पर तो ऐसा लगा मानों मैंने एक नई दुनिया के साथ गहरी पहचान कर ली हो। फिर 'अक्षरगीत', 'नटखट गीत', 'खिड़की', 'प्यारे-न्यारे बोल' आदि-आदि पुस्तकों के साथ-साथ बहुत-सी कविताएँ लिखीं। मुझे खुशी है कि इन कविताओं को केवल बच्चों ने ही नहीं पढ़ा-गाया, अपितु बड़े-बड़ों ने भी सराहा और पसन्द किया। यहाँ तक कि "सुमन बाल गीत" का अंग्रेजी अनुवाद "सिंग बर्ड सिंग" के नाम से प्रकाशित हुआ।

कुछ चुनी हुई कविताओं को मैंने "गुलाबों की बस्ती" में संकलित किया है। इसका पहला संस्करण लगभग चार वर्ष पूर्व पराग प्रकाशन से आया था, जिसे हिन्दी अकादमी, दिल्ली ने विशेष पुरस्कार के योग्य माना।

आनन्द, सहजता, मासूमियत, नटखटपन निश्छलता के सुकुमार संसार में लौटने के प्रयास में मैं बच्चों के लिए कविताएँ लिखने की ओर प्रवृत्त हुआ। इसी स्वार्थ के वशीभूत हो मैं बच्चों की दुनिया में घूमता-विचरता रहा हूँ और जिन्दगी की बहुत-सी बेतुकी स्थितियों में इन तुकबन्दियों ने मेरा मन बहलाया है।

— शेरजंग गर्ग

नव वर्ष, 1988
जी–261-ए, सेक्टर-22
नोएडा (उ०प्र०)

Scanned with CamScanner

गुड़िया

गुड़िया है आफ़त की पुड़िया
बोले हिन्दी, कन्नड़, उड़िया
नानी के संग भी खेली थी
किन्तु अभी तक हुई न बुढ़िया

चिड़िया

फुदक-फुदक कर नाची चिड़िया
चहल-पहल की चाची चिड़िया
लायी ख़बर सुबह की चिड़िया
बात-बात में चहकी चिड़िया

Scanned with CamScanner

लट्टू

हाथ चूमकर घुमा लट्टू
झूम-झूमकर घुमा लट्टू
लट्टू होता नहीं निखट्टू
तुम भी दौड़ो अड़ियल टट्टू

तितली

फूलों पर मँडराई तितली
खुशबू पर ललचाई तितली
इतना नाची-गायी तितली
फूली नहीं समाई तितली
रंग-रंग की रानी तितली
रानी क्या पटरानी तितली

Scanned with CamScanner

दादी अम्मा

हलवा खाने वाली अम्मा
लोरी गाने वाली अम्मा
मुझे सुनाती रोज़ कहानी
नानी की है मित्र पुरानी
पापा की है आधी अम्मा
मेरी पूरी दादी अम्मा

हाथी

हाथी ने यों हाथ दिखाये
लम्बे दाँत बहुत शरमाये
एक हाथ से गन्ना खींचा
कसकर उसे सूँड में भींचा
झूम-झूमकर सारा रस गटका
कम-से-कम होगा दो मटका

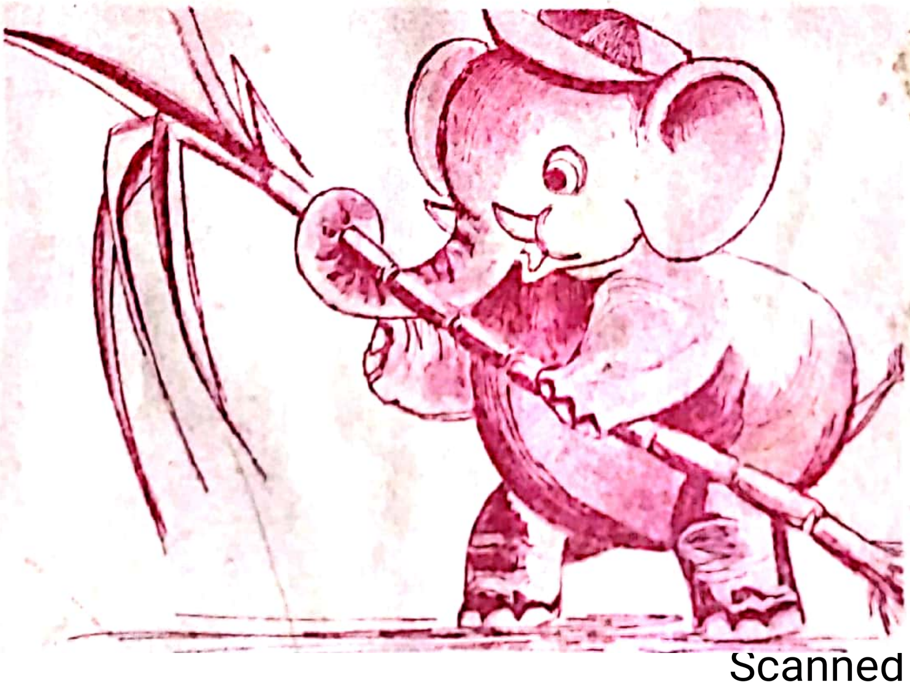

Scanned with CamScanner

चूहा-बिल्ली

बिल्ली चूहा, चूहा बिल्ली
साथ-साथ जब पहुँचे दिल्ली
घूमे लालक़िले में पहले
फिर इंडियागेट तक टहले
इसी तरह वे दोस्त बने-से
घूम रहे हैं बने-ठने-से

मुर्ग़े का रथ

रथ को खींच रहे दो बन्दर
मुर्ग़ा बैठा रथ के अन्दर
सच पूछो तो है यह बात
मुर्ग़ी के घर चली बरात

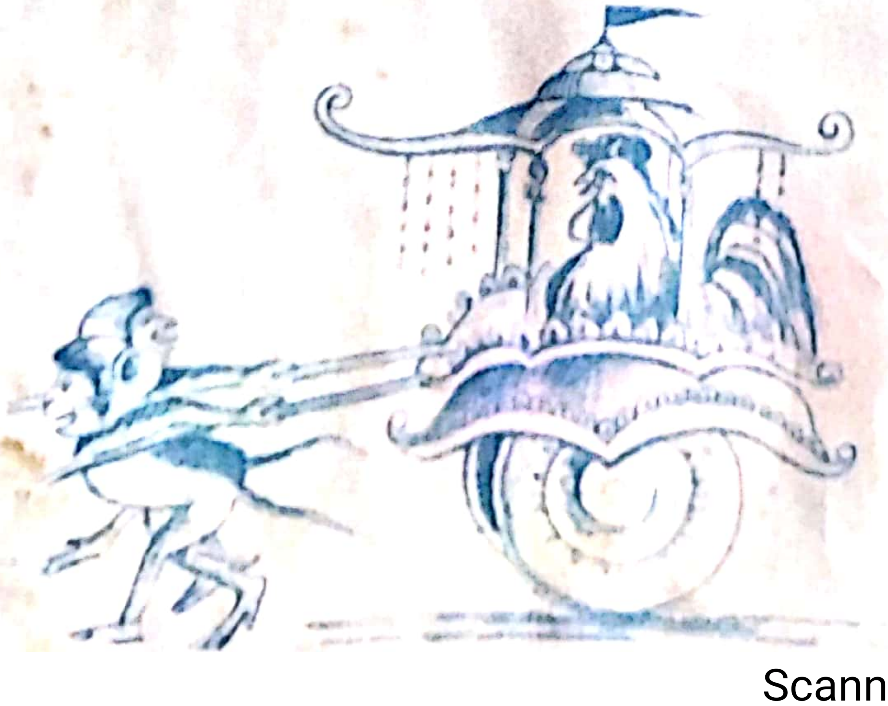

Scanned with CamScanner

गिन गिन गिन

एक दो तीन
भैंस बजाये बीन

तीन चार पाँच
ऊँट दिखाये नाच

छः सात आठ
गधे मियाँ के ठाठ

नौ दस ग्यारह
उल्लू के पौ बारह

Scanned with CamScanner

बुद्धू नहीं रहा बंदर

सचमुच बड़े दिनों के बाद
जान सका अदरक का स्वाद
सुनने लगा रेडियो बंदर
बुद्धू नहीं रहा यों बंदर
रोज़ सुबह खबरें सुनता है
मनपसंद गाने चुनता है
पत्र भेज फरमाइश करता
अनचाहे गानों से डरता

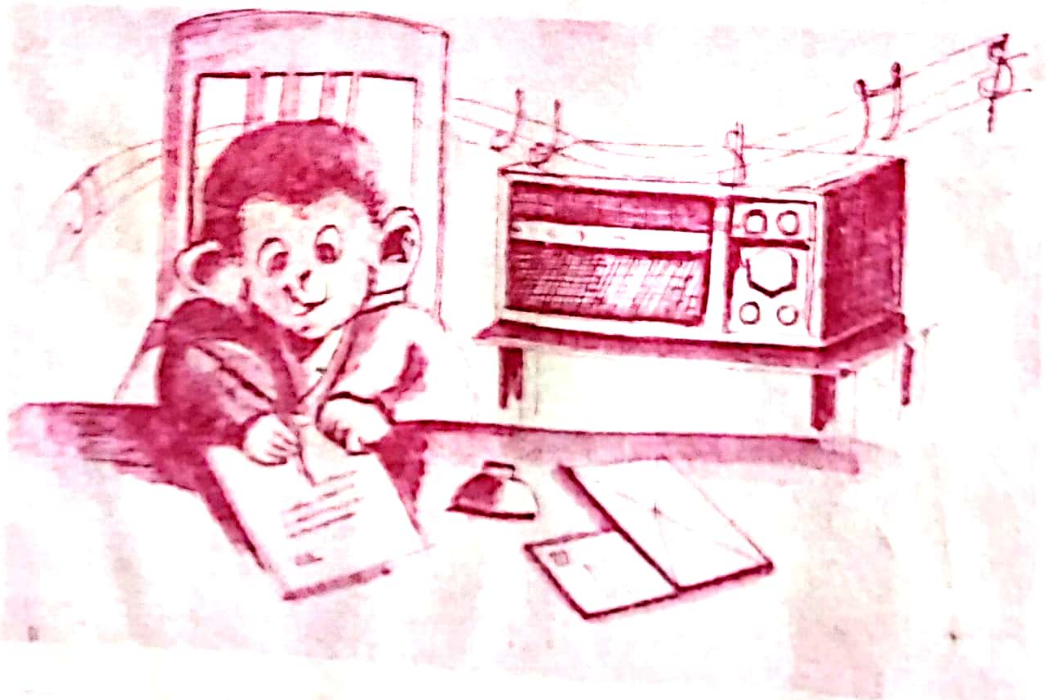

Scanned with CamScanner

छतरी

छतरी कड़ी धूप में अकसर
पथिक जनों की रक्षा करती
स्वयं भीगकर हमें बचाती
किन्तु नहीं बारिश से डरती
बाबाजी की लाठी छतरी
दादी के भी आती काम
छत की कमी दूर कर देती
इसीलिए है छतरी नाम

Scanned with CamScanner

नक्शा

नक्शे में हैं जितने देश
सबके अपने-अपने वेश
सबके मोहक सुन्दर रूप
शीतल छाया, उजली धूप
मेरा भारत देश विशाल
उच्च हिमालय इसका भाल
इसके सीधे-सच्चे लोग
इसमें अच्छे-अच्छे लोग

Scanned with CamScanner

आसमान के रंग

आसमान के कई रंग हैं
जीवन में भरते उमंग हैं
चाँद-चाँदनी खिलें रात में
सूरज की किरणें प्रभात में
इसे सजाते अनगिन तारे
बादल उड़ते प्यारे-प्यारे
लेकिन इसको मापे कौन?
प्रश्न किया तो सब हैं मौन!

Scanned with CamScanner

तिरंगा

जितना प्यारा हमें हिमालय
जितनी प्यारी यमुना-गंगा
उतना ही प्यारा है हमको
फर-फर उड़ता हुआ तिरंगा

रंग सदा केसरिया हमको
नये-नये बलिदान सिखाता
और हरा हरियाली लाकर
भारत को सम्पन्न बनाता

श्वेत रंग में शांति भरी है
रहे विश्व जिससे खुशहाल
फिर अशोक का चक्र
अहिंसा का ऊँचा रखता है भाल

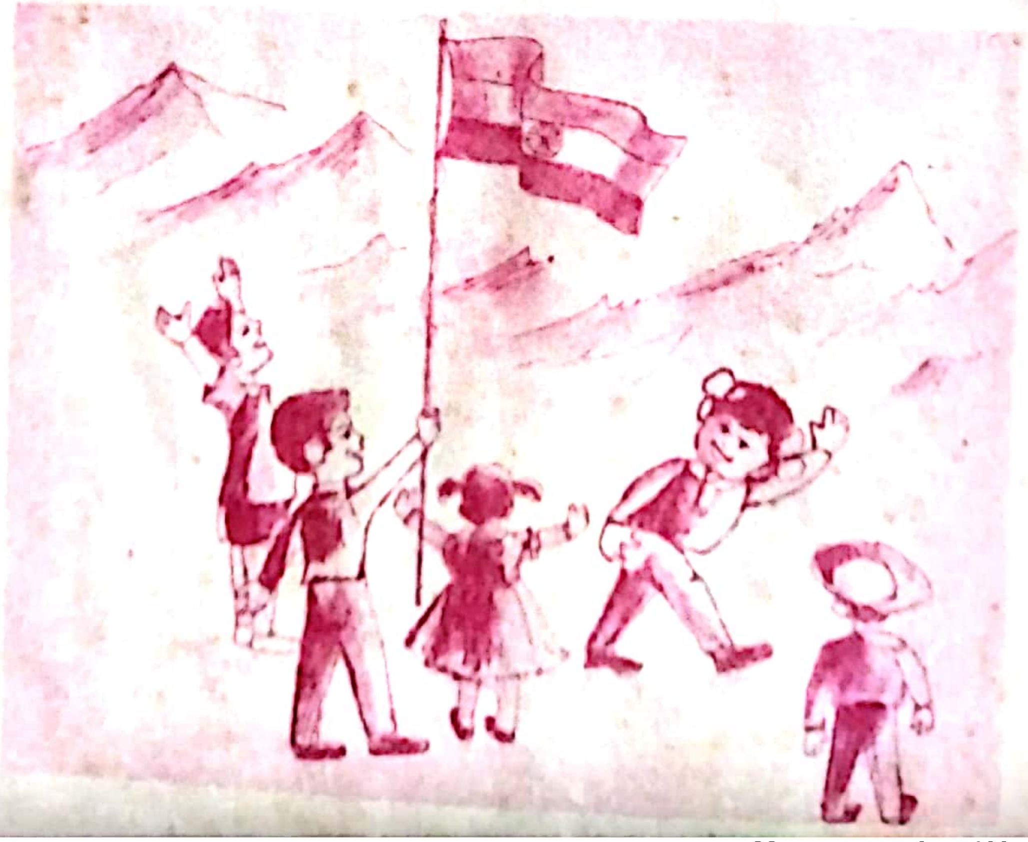

Scanned with CamScanner

छोटे भैया

बंद करो झटपट हुड़दंग
छोटे भैया होंगे तंग

रहें व्यस्त पढ़ने-लिखने में
बड़े पढ़ाकू हैं दिखने में
पास परीक्षा में हो जाएं
मन में केवल एक उमंग
बंद करो झटपट हुड़दंग

इनके साथ न गड़बड़ करना
जेल करा देंगे ये वरना
थोड़ा-सा मुँह काला कर दो
इन पर अधिक न फेंको रंग
बंद करो झटपट हुड़दंग

Scanned with CamScanner

नये साल का गीत

नये साल में ताज़े-सुन्दर फूल खिलेंगे
नये साल में नये-पुराने मित्र मिलेंगे
नये साल में भैया-दीदी खूब पढ़ेंगे
कोई कितनी करे शरारत नहीं लड़ेंगे
नये साल में रंग खुशी का चोखा होगा
नए साल में हर त्योहार अनोखा होगा

स्वस्थ रहेगी प्यारी दादी नये साल में
गुड़िया की भी होगी शादी नये साल में
अच्छे-अच्छे काम करेंगे नये साल में
सीधे-सच्चे नहीं डरेंगे नये साल में
भैया की उग आए दाढ़ी नये साल में
छुक-छुक चले हमारी गाड़ी नये साल में

Scanned with CamScanner

नये उजाले ज़िन्दाबाद

गली गली छूटें फुलझड़ियाँ
नये उजाले ज़िन्दाबाद!
हँसने वाले ज़िन्दाबाद!!

चहल-पहल के रंगमहल में
हंसते गाते लोग रहें
बात बनाने में क्या रक्खा
जो करना हो वही कहें

बेलें पापड़, खायें बड़ियाँ
तब आए अदरक का स्वाद
गली-गली छूटें फुलझड़ियाँ
नये उजाले ज़िन्दाबाद!
हँसने वाले ज़िन्दाबाद!!

Scanned with CamScanner

आम का मौसम, काम का मौसम
पूरे बारह मास चले
बाहर हों फुटबाल-कबड्डी
घर में कैरम-ताश चले

झेलें नहीं किसी की तड़ियाँ
हम मस्ताने, हम आज़ाद
गली-गली छूटें फुलझड़ियाँ
नये उजाले ज़िन्दाबाद !
हँसने वाले ज़िन्दाबाद!!

भैंस

दादाजी ने पाली भैंस
तारकोल-सी काली भैंस

दूध भरी है, दूध भरी है
किन्तु अक्ल से ख़ाली भैंस

जो मतलब की बात समझ ले
उसको समझो जाली भैंस

आओ हम भी बीन बजा लें
बजा रही है ताली भैंस

आप समझते पेस्ट कर रही
पर कर रही जुगाली भैंस

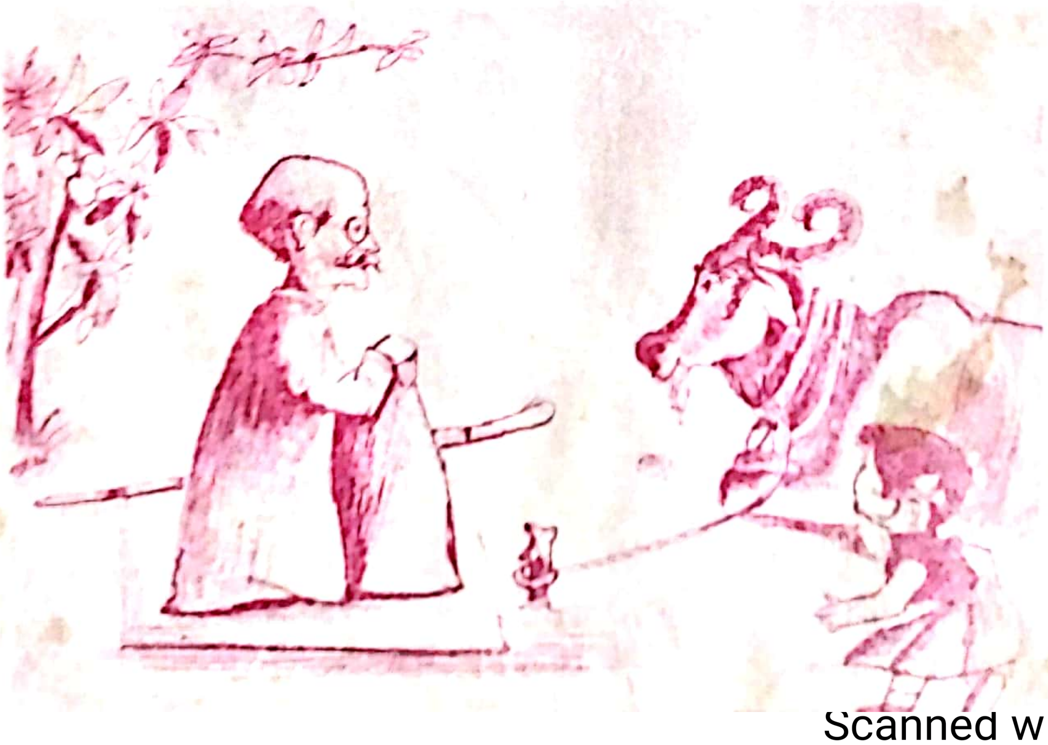

Scanned with CamScanner

आप पूछते

आप पूछते फूल कहाँ हैं?
जहाँ जहाँ हम वहाँ वहाँ हैं!

गुलदस्तों में क़ैद नहीं हम
कूद-फाँदकर, महकें हरदम
छेड़छाड़ भौंरों से करते
तितली देख कुलाँचे भरते

आप पूछते गीत कहाँ हैं?
जहाँ जहाँ हम वहाँ वहाँ हैं!

हमसे माँग रहे सब मस्ती
जिसको दुनिया रही तरसती
सभी चाहते बच्चा बनना
अच्छा बनना, सच्चा बनना

आप पूछते प्यार कहाँ हैं?
जहाँ जहाँ हम वहाँ वहाँ है!

Scanned with CamScanner

कबूतर

इम्तिहान में एक कबूतर
बना अँगूठा टेक कबूतर
नम्बर पाये बहुत-बहुत कम
फेल हो गया मगर न था ग़म
क्योंकि नहीं था बिल्कुल बूदम।
बोला, क्या कर लेता पढ़कर
इस कक्षा से आगे बढ़कर
पास हुए जो वे ही क्या हैं?
मिला रहे बस हाँ में हाँ हैं
सचमुच लिक्खे-पढ़े कहाँ हैं?
ज्ञान बढ़ाना बड़ी बात है
इज्ज़त पाना बड़ी बात है
तब से मेरा यार कबूतर
रोज़ पालथी मार कबूतर
पढ़ता है अख़बार कबूतर

Scanned with CamScanner

ईंट

ईंट नहीं लड़ने की चीज़
यह है कुछ गढ़ने की चीज़
पहले भू पर रक्खो ईंट
ईंट के ऊपर रक्खो ईंट
इसी तरह तुम करते जाओ
जो भी चाहो वही बनाओ
ईंट-ईंट से बने मकान
कोठी-बंगले आलीशान

Scanned with CamScanner

गुलदस्ता

गुलदस्ते में फूल महकते
चिड़ियों जैसे फूल चहकते
फूलों ने खुशबू फैलाई
खुशबू खुशियां लेकर आई

खुशियां हमें सिखातीं हँसना
हँसने को तुम नहीं तरसना
तरसोगे तो दुःख पाओगे
फिर कैसे खुशियाँ लाओगे?

आओ महकें, आओ चहकें
नहीं कभी इस पथ पर बहकें
कितने प्यारे हैं ये रस्ते
हम भी बन जायें गुलदस्ते

Scanned with CamScanner

कर लो नाम

बादल हमको देते पानी
सूरज धूप सुहानी देता
चाँद हमें ठंडक पहुँचाकर
दिन भर की गर्मी हर लेता

फल-फूलों ने हमें खुशी दी
और दिये तितली के रंग
तितली हमको नृत्य सिखाती
भरती मन में नयी उमंग

झरने मस्ती देते हमको
मोती की सौगातें सागर
हम भी दुनिया को कुछ देकर
जग में कर लें नाम उजागर

ॐ वैदिक पुस्तकालय मुम्बई
आचार्य धर्मयार आर्य
सम्पर्क- 9029421718

Scanned with CamScanner

खेल-खेल में आफ़त आई

खेल-खेल में आफ़त आई!
चुन्नू, मुन्नू, घुन्नू मिलकर
नाटक खेले एक सड़क पर

चुन्नू बने मुछन्दर डाकू
मुन्नूजी ले आये चाकू
घुन्नू ने भी लाठी ले ली
टोली बनी खूब अलबेली

मिलकर निकले तीन लुटेरे
यों तो कई मुसाफिर घेरे
लेकिन दीखा एक काम का
उसके हाथों में था बक्सा
घुन्नू ने बढ़ उसको टोका
मुन्नू ने बढ़ रस्ता रोका

Scanned with CamScanner

चुन्नू गर्जे—"सब कुछ रख दो,
फिर चुपके से आगे बढ़ लो"

राहगीर हैरान हो गया
लेकिन फिर शैतान हो गया
उसने पैर ज़ोर से पटका
चुन्नू समझ गए यह खटका

तेज़ी से पीछे को भागे
मुन्नू भी सोये से जागे
लेकिन घुन्नू हाथ आ गए
हरकत की सौगात पा गए

राहगीर ने खोला बक्सा
बदल दिया घुन्नू का नक्शा
वह था जनम-जनम का नाई
उसने सिर की शेव बनाई
खेल-खेल में आफ़त आई

Scanned with CamScanner

मेहनत के चित्र

बड़े शहर की खुली सड़क पर
घूम रहा था नटखट बंदर
एक पेड़ के नीचे उसने
देखा खड़ा भिखारी बेघर

माँग रहा था हाथ पसारे
सबसे रोटी को कुछ पैसे
लगा सोचने बंदर इसकी
मदद करूँ मैं जल्दी कैसे?

शीघ्र आम के एक पेड़ पर
जा पहुंचा बंदर फुर्ती से,
आम तोड़कर झट ले आया
खट्टे-खट्टे, मीठे-मीठे

Scanned with CamScanner

उन्हें सौंपकर उस ग़रीब को
बोला–"खा लो, भूख मिटेगी
रोज़ करूँगा यों ही मेहनत
तुममें-मुझमें खूब पटेगी।"

नाम सुना मेहनत का ज्यों ही
उस मंगते को शर्म आ गई
भीतर-भीतर से उसको भी
बंदर की ही बात भा गई

तब से दोनों मित्र बन गए
मेहनत के दो चित्र बन गए

Scanned with CamScanner

साँप नेवला दोनों बोले

एक सपेरा, डाले डेरा
बैठा था मैदान में
बजा रहा था बीन सुहानी
मीठी-मीठी तान में

साँप पिटारी के भीतर था
और नेवला पास था
साँप-नेवले का मुक़ाबला
भरी सभा में ख़ास था

तभी पिटारी खोल सपेरा
बोला विषधर साँप से
"ऐसा लड़ो नेवले से तुम
यहाँ खड़े सब लोग हँसें"

Scanned with CamScanner

सुनकर इतना साँप-नेवला
दोनों बोले एकदम—
"खून बहायें तुम्हें हंसायें
यह सब नहीं करेंगे हम

"जिसमें प्रेम-भाव से जी लें,
ऐसा खेलो खेल तुम
मार-काट की बातें छोड़ो
आज करा दो मेल तुम"

Scanned with CamScanner

भालू की लीडरी

बड़ी मज़े की, बड़ी पते की
एक पहेली हमने बूझी
आखिर क्यों भालू भाई को
नेता ही बनने की सूझी

उन्हें मिले यों कई निमंत्रण
फिल्मों से चिड़ियाघर तक के
नाम कमा सकते थे भालू
अगर चाहते जमके, छक के

जनता के दुःख से पीड़ित थे
देश प्रेम ने उन्हें दबोचा
फिर नेता बनने की ठानी
आगा-पीछा काफ़ी सोचा

Scanned with CamScanner

कोट पहन तैयार हो गए
स्वस्थ कमर में धोती बांधी
हाथ हिला मंचों पर गरजे
ले आए भाषण की आँधी

एक ज्योतिषी ने बतलाया
देखे जब पंचांग-जंतरी
शीघ्र बनेंगे भालू भाई
किसी प्रांत के बड़े मंतरी

Scanned with CamScanner

फूलों की तरह हँसे

फूलों की तरह हँसे हैं हम
निर्झर की तरह बहे हैं हम
जब क़दम बढ़ाये हैं हमने
तब पथ में नहीं रुके हैं हम

हम लक्ष्य बनाते राहों में
विश्वास सजाते बाँहों में
हम फूलों की जंजीरें हैं
हम जीवन की तसवीरें हैं

हैं जहाँ गुलाबों की बस्ती
खुशबू मे वहीं बिछे हैं हम
जब क़दम बढ़ाये हैं हमने
तब पथ में नहीं रुके हैं हम

यह देश हमारा भारत है
हम सब का प्यारा भारत है
इसका नूतन निर्माण करें
इसमें खुशियों के रंग भरें

जो काम अधूरे बाक़ी हैं
करने में वही जुटे हैं हम
जब कदम बढ़ाये हैं हमने
तब पथ में नहीं रुके हैं हम

Scanned with CamScanner

खिड़की

खिड़की खिड़की प्यारी खिड़की
आओ खोलें सारी खिड़की
ठंडी हवा खिलाती खिड़की
नयी रोशनी लाती खिड़की
दूर-दूर पहुँचाती खिड़की

खिड़की कितने खेल दिखाती
धूप-चाँदनी छन-छन आती
खिड़की से तितली आ जाती
गौरैया भी गीत सुनाती

अब घर की खिड़की से देखें
ऊपर देखें, नीचे देखें
ऊपर तो उड़ती पंतग है
नीचे मेला रंगारंग है

Scanned with CamScanner

बजा रहा डुगडुगी मदारी
भालू, बन्दर बारी-बारी
नाच रहे हैं मटक-मटककर
टोपा-टोपी पटककर-पटककर

खिड़की से जो खूशबू आयी
सबके मुँह में पानी लायी,
लड्डू-बर्फी कई मिठाई
देखो बना रहा हलवाई!

यह है मेरी बस की खिड़की
कितना शोर मचाती खिड़की
काली मोटर दौड़ी फर से
घोड़े भागे कई उधर से

चौराहे पर खड़ा सिपाही
आते-जाते कितने राही
वो बाबाजी दाढ़ी वाले
वो लालाजी गाड़ी वाले

यह छुक-छुक गाड़ी की खिड़की
धुआँ दिखाने वाली खिड़की
इसमें से मुँह नहीं निकालो
कंकरियों से आँख बचा लो

लो खिड़की से वर्षा आयी
सबने ताली खूब बजाई,
दूर-दूर तक फैला जंगल
नाचा मोर-मोरनी का दल

Scanned with CamScanner

नदियाँ, झरने, पुल दिखलाती
पर्वत, घाटी, गुफा बताती,
झंडी हरी दिखाती खिड़की
सबसे हाथ मिलाती खिड़की

यह है वायुयान की खिड़की
ज्यों पूरे जहान की खिड़की
चींटी जैसे लोग दिखाती
नन्हें-नन्हें नगर बताती

खुलती नहीं यहाँ की खिड़की
यह है तेज़ हवा की खिड़की
फैला-फैला सागर देखो
देखो, बादल का घर देखो

अब खुलती किताब की खिड़की
जो है हर जवाब की खिड़की
बातें नयी बताती खिड़की
अच्छे खेल सिखाती खिड़की

इसमें से जो चाहो पढ़ लो
पढ़ते-पढ़ते आगे बढ़ लो
इसको पढ़ना बहुत ज़रूरी
इसके बिन हर बात अधूरी

Scanned with CamScanner

सुन्दर है आँखों की खिड़की
एक नहीं लाखों की खिड़की
रंग आँकती ढंग आँकती
हर खिड़की में यही झाँकती

यही देखती है गुब्बारे
यही देखती चाँद-सितारे
यही देखती सपने सारे
आँखे खोले रखना भाई
आँखों में हर चीज़ समाई

Scanned with CamScanner